

समन्वय कणवधाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-13

अंक-22

हरिद्वार, गुरुवार, 01 अक्टूबर, 2026

मूल्य-दो रूपया मात्र

पृष्ठ-8

मुख्यमंत्री धामी ने हरिद्वार में प्रथम पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् का किया शुभारंभ



हरिद्वार,संवाददाता । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को पतंजलि वेलनेस योगग्राम, ग्राम औरंगाबाद, हरिद्वार में प्रथम पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् के उद्घाटन समारोह में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने गुरुकुलम् के शुभारंभ पर योगगुरु स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण तथा समस्त पतंजलि परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार हमारी आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का प्रमुख केंद्र है। देवभूमि में पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् का शुभारंभ भारत की गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आधुनिक युग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भारत की गुरुकुल परंपरा हजारों वर्षों से ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण का आधार रही है। गुरुकुलों में विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ जीवन जीने की कला और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भी बोध कराया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सा विद्या या विमुक्तये' का भाव हमारी

प्राचीन शिक्षा परंपरा का आधार रहा है। सच्ची शिक्षा वही है, जो मनुष्य को अज्ञान, भय और संकीर्णता से मुक्त कर उसके व्यक्तित्व का समग्र विकास करे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। यहां आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का समन्वय विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में तेजी से बदलती दुनिया में गुरुकुल शिक्षा की प्रासंगिकता और बढ़ी है। आधुनिक ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन और संतुलित जीवन शैली की शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने योग, आयुर्वेद, शिक्षा, अनुसंधान और जन-स्वास्थ्य के क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया है। स्वामी रामदेव ने योग को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

है, जबकि आचार्य बालकृष्ण द्वारा आयुर्वेद के अध्ययन, शोध और प्रसार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में कौशल, नवाचार, भारतीय ज्ञान परंपरा और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष बल दिया गया है। उत्तराखण्ड भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं। अपनी जड़ों और विरासत से जुड़कर आधुनिक ज्ञान को अपनाने वाली युवा पीढ़ी भविष्य की चुनौतियों का अधिक आत्मविश्वास से सामना कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा, दर्शन और संस्कृति के अध्ययन एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए दून विश्वविद्यालय में हिंदू अध्ययन केंद्र स्थापित किया गया है। राज्य सरकार का प्रयास है कि युवा पीढ़ी अपनी समृद्ध विरासत को जाने, समझे और उसे विश्व के समक्ष आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विज्ञान, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। देहरादून में देश की पांचवीं साइंस सिटी विकसित की जा रही है। विभिन्न क्षेत्रों में साइंस एवं इनोवेशन सेंटर सहित

वैज्ञानिक गतिविधियों के लिए आवश्यक आयुर्वेद के अध्ययन का महत्वपूर्ण केंद्र

-पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के समन्वय का बनेगा सशक्त केंद्र : मुख्यमंत्री
-ज्ञान के साथ संस्कार और आधुनिक विज्ञान के साथ भारतीय जीवन मूल्यों का समन्वय नई पीढ़ी के लिए आवश्यक - मुख्यमंत्री

संसाधन विकसित किए जा रहे हैं। राज्य में स्टार्टअप और इनोवेशन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के साथ युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल से जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग पांच वर्षों में करीब 35 हजार युवाओं को सरकारी सेवाओं में रोजगार के अवसर मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को पर्यटन के साथ-साथ ज्ञान, योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् जैसे शिक्षण संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण सहयोगी सिद्ध होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् आने वाले समय में उत्तराखण्ड और देश के साथ विश्वभर के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, विज्ञान, योग और

बनेगा। यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ज्ञान, संस्कार और सेवा की भावना के साथ समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, विधायक रानीपुर आदेश चौहान, विधायक ज्वालापुर ई.रवि बहादुर, पूर्व कैबिनेट स्वामी यतिस्वामिनंद, गोल्डन बाबा, स्वामी भू देव, जिलाध्यक्ष भाजपा आसुतोष शर्मा, जिला अध्यक्ष भाजपा रुड़की डॉ मधु सिंह, राज्यमंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि, राज्य मंत्री आदेश सैनी, श्यामवीर सैनी, अजीत सिंह, मेयर नगर निगम रुड़की अनीता अग्रवाल, वरिष्ठ कार्यकर्ता भाजपा राजेंद्र चौधरी, लव शर्मा, पूर्व मेयर मनोज गर्ग, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर, मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र, एसपी ट्रैफिक निशा यादव, जॉइन मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र सेठ, सिटी मजिस्ट्रेट हरिद्वार हर गिरी, उप जिलाधिकारी हरिद्वार योगेश मेहरा सहित बड़ी संख्या संस्थान के छात्र-छात्राएं एवं जनप्रतिनिधि में मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की जनपद में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक

हरिद्वार,संवाददाता । जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, जिला योजना के अंतर्गत विकास कार्यों तथा मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनहित से जुड़ी योजनाओं के कार्य निर्धारित समय-सीमा एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दिया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला योजना के अंतर्गत स्वीकृत सभी विकास कार्यों की धनराशि का शत-प्रतिशत व्यय समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए। जिन विभागों में कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है, वे तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक परियोजना की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रगति की अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा जनपद के लिए की गई घोषणाओं की विभागवार



समीक्षा भी की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कर कार्यों को धरातल पर पूर्ण कराया जाए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि उत्तराखंड यूकेगेम्स पोर्टल पर सभी विभागीय अपनी अपनी वि विभागीय परिसंपत्तियों का विवरण शीघ्र अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद की परिसंपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना आवश्यक है, इसलिए सभी विभाग निर्धारित प्रारूप में समय पर सूचना उपलब्ध कराएं। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, निर्माण कार्यों, आधारभूत सुविधाओं, विकास

परियोजनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं का लाभ समय पर आमजन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ कार्य करें तथा विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव गुप्ता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) जितेंद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार पंत, एसपीएमओ डॉ अनिल वर्मा, लोनिवि अधिशासी अभियंता हरिद्वार योगेश कुमार, जिला अर्थ संख्या अधिकारी नलिनी ध्यानी, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी, सहायक श्रम आयुक्त प्रशांत कुमार, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र उत्तम कुमार तिवारी, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गंगा का जलस्तर चेतावनी निशान के करीब, निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा

हरिद्वार,संवाददाता । पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश के बीच गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। हरिद्वार के भीमगोड़ा बैराज पर रविवार सुबह 11 बजे गंगा का जलस्तर 292.95 मीटर रिकॉर्ड किया गया। यह चेतावनी स्तर 293 मीटर से महज पांच सेंटीमीटर नीचे है। जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि ने गंगा के निचले और तटीय इलाकों में बाढ़ के खतरे की आशंका बढ़ा दी है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के चलते श्रीनगर डैम से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया है। इसके साथ ही पशुलोक बैराज से भी गंगा में पानी की निकासी बढ़ाई गई है। दोनों ओर से पानी की आवक बढ़ने के कारण भीमगोड़ा बैराज पर जलस्तर लगातार ऊपर जा रहा है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने निचले इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ चौकियों को भी सक्रिय रहने और जलस्तर तथा तटीय क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार निगरानी

रखने को कहा गया है। गंगा के चेतावनी निशान के करीब पहुंचने के बाद प्रशासन ने नदी किनारे और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। जिलाधिकारी ने तटीय क्षेत्रों में बसे लोगों को स्थिति बिगड़ने की स्थिति में तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने को कहा है। प्रशासन की ओर से जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। निचले इलाकों में पानी की निकासी बढ़ने के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी भी बढ़ाई गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी तरह की आपात स्थिति सामने आने पर राहत और बचाव कार्य तत्काल शुरू किया जा सके।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार बारिश और कई स्थानों पर हो रही बर्फबारी के बीच नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। ऐसे में गंगा के जलस्तर का चेतावनी निशान के बेहद करीब पहुंचना प्रशासन के लिए भी चिंता का विषय बना हुआ है।

सम्पादकीय

अंधकारमय तस्वीर

संयुक्त राष्ट्र की यह पहली ऐसी रिपोर्ट है, जिसमें इतनी अंधकारमय तस्वीर का वर्णन है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि नेपाल में जो हुआ, वह दुनिया के संभावित भविष्य की एक मिसाल भर है। ग्लेशियर गिरने से नेपाल में आई तबाही की दर्दनाक कहानियों के बीच संयुक्त राष्ट्र ने यह भयानक आकलन दुनिया के सामने रखा है कि ग्लोबल वॉर्मिंग से गंभीरतम किस्म की क्षतियों को रोकने का अवसर धरती ने गंवा दिया है। अब चुनौती इस पर विचार करने की है कि बढ़ चुके तापमान को कैसे फिर से खतरे की सीमा से नीचे लाया जाए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि 2015 की पेरिस जलवायु संधि में जिस तापमान को लेकर चेतना था, वह सीमा जल्द ही पार होने वाली है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि तब दी गई चेतावनी पर शासकों ने ध्यान नहीं दिया। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जारी रहा। नतीजतन, धरती का तापमान खतरनाक सीमा तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह संयुक्त राष्ट्र की पहली ऐसी रिपोर्ट है, जिसमें इतनी अंधकारमय तस्वीर का वर्णन है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि नेपाल में जो हुआ, वह दुनिया के संभावित भविष्य की एक मिसाल भर है। जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में ग्लेशियर पिघल रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इसकी सबसे बड़ी मार उन जन समूहों पर पड़ रही है, ग्लोबल वॉर्मिंग में जिनकी नगण्य भूमिका है। ग्रीनहाउस गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में नेपाल का हिस्सा सिर्फ 0.1 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैसों का सबसे ज्यादा उत्सर्जन अमेरिका और अन्य विकसित देशों में होता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन रोकने की अपनी जिम्मेदारी से वे देश अब पूरा मुंह मोड़ चुके हैं। डॉनल्ड ट्रंप के कार्यकाल में पर्यावरण संरक्षण के बजट में भारी कटौती हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भू-स्खलन सहित अन्य प्राकृतिक खतरों की निगरानी के लिए नेपाल को अमेरिका से जो मदद मिलती थी, ट्रंप के कार्यकाल में उसे रोक दिया गया। आपदा आने के बाद सवाल उठा है कि क्या अगर वो कार्यक्रम जारी रहता, तो तबाही से पहले एहतियाती इंतजामों का मौका मिल सकता था? बहरहाल, विकसित दुनिया अभी ऐसे सवालों को ठेंगे पर रख रही है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन जनित प्राकृतिक आपदाओं की आशंका को लेकर लाचारी का भाव बढ़ा है, तो वह लाजिमी ही है।

पर्वतारोहण से कमाई के फेर में नेपाल

पर्वतारोहण रोमांचक शौक है, जो जोखिम और खतरों के बीच परवान चढ़ता है। पर्वतारोहण संकल्प से सिद्धि की जीवटभरी गाथा है। तेनजिंग नोर्गे और एडमंड हिलेरी को अमरत्व इसी पर्वतारोहण की देन है। पर्वतारोहण मनुष्य के साहस के लिये चुनौती है और जान जाने के डर के बावजूद मनुष्य है कि पहाड़ों पर चढ़ने से बाज नहीं आता। विश्व में दस में से आठ सर्वोच्च शिखर भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हैं। इनमें सर्वोच्चतम है कि एवरेस्ट यानि सागरमाथा। पर्वतारोहण में शेरपाओं की कुशलता की दुनिया कायल है। पर्वतारोहण का ताजा और रोचक प्रसंग यह है कि पर्वतीय राष्ट्र नेपाल पर्वतारोहण से कमाई के फेर में पड़ गया है। यह खबर ज्यादा पुरानी नहीं, बल्कि पिछले साल की है। गत वर्ष 12 अगस्त को खबर आई थी कि नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये पर्वतारोहण का सहारा लगा। अपनी इस नयी नीति के तहत उसने आगामी दो वर्षों के लिये दूरदराज के इलाकों में हिमालय की 97 चोटियों पर चढ़ाई को मुफ्त करने की बात कही थी, लेकिन तुरा यह कि उसी साल सितंबर से नगाधिराज हिमालय की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट पर पीक सीजन में चढ़ाई के लिये परमिट फीस बढ़ाकर 15000 डालर कर दी गयी थी। गौरतलब है कि पर्वतारोहण नेपाल के लिये विदेशी मुद्रा कमाने का बड़ा जरिया है। पिछले साल पर्वतारोहण से उसे 5.9 मिलियन डालर की कमाई हुई थी। इसमें तीन-चौथाई से अधिक योगदान माउंट एवरेस्ट का था। सन 2024 में एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिये चार सौ से भी अधिक परमिट जारी किये गये थे। कह सकते हैं कि हिमाच्छादित एवरेस्ट को पर्वतारोहियों की भीड़ का सामना करना पड़ रहा है, जिसका उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि 8849 मीटर से अधिक ऊँची चोटी एवरेस्ट हाल के सालों में भीड़भाड़, पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं और चढ़ाई के दम्यान कई जानलेवा हादसों से जूझ रही है। अप्रैल, सन 2024 में नेपाल की सर्वोच्च न्यायालय ने नेपाल सरकार को एवरेस्ट और अन्य अनेक चोटियों के लिये जारी किये जाने वाले परमिटों की संख्या सीमित करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पहाड़ों की क्षमता का सम्मान किया जाना चाहिये, लेकिन पहाड़ों से कमाई के चक्के के फेर में सरकार के कानों पर जूँ नहीं रेंगी। फलतः उसने सुप्रीम कोर्ट के परवाने को बलाये ताक रखकर परमिट काटना बदस्तूर जारी रखा। उसने इनकम जेनरेट करने की तालिका बनाई। तदनुसार अप्रैल-मई के मुख्य सीजन के अलावा शेष अवधि में जो आरोहण के इच्छुक हैं, उनके लिये सितंबर से नवंबर के बीच एवरेस्ट चढ़ाई की फीस 7500 डालर और और दिसंबर से फरवरी के मध्य 3750 डालर तय कर दी। दिसंबर, 25 तक सभी रास्तों से एवरेस्ट पर 13737 बार चढ़ाई हुई इसमें 6656 क्लायंट और 7081 क्लाइंबर शामिल थे। सफलता की दर 50 प्रतिशत से भी कम रही।

अक्षम्य है बद्रीनाथ धाम पर डीजे बजाने की शर्मनाक हरकत

मनोज कुमार अग्रवाल

धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में डीजे के बढ़ते शोर से गंभीर नुकसान हो रहा है, जो अब केवल मैदान तक न रहकर प्रकृति के सबसे संवेदनशील भूभाग पहाड़ की चोटी पर स्थित तीर्थधाम बद्रीनाथ तक पहुंच गया। हाल ही में पवित्र तीर्थ बद्रीनाथ धाम पर एक पर्यटन स्थल के प्रांगण में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिस तरह डीजे शोरशराबा किया गया वह वास्तव में अनुचित और पहाड़ व तीर्थ की गरिमा से खिलवाड़ है। आप जानते हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों से तेज आवाज के कारण गंभीर घटनाएं और मौतें सामने आई हैं, बद्रीनाथ धाम जैसे पवित्र स्थलों और विभिन्न विसर्जन यात्राओं में डीजे के नाम पर होने वाले शोर-शराबे और डांस को लेकर विवाद बढ़ गया है। लोगों का मानना है कि इससे धार्मिक कार्यक्रमों की शांति और गरिमा नष्ट होती है ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने इस आयोजन की कड़ी आलोचना की।

इसे देवभूमि की संस्कृति के खिलाफ और ‘बाजारू संस्कृति’ करार दिया गया। पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों ने भी उच्च हिमालयी और संवेदनशील इको-जोन में तेज बेस व कंपन से ग्लेशियर/पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई।

आपको बता दें कि बद्रीनाथ धाम के मुद्दे पर मुरली मनोहर जोशी ने चिंता व्यक्त की है कि अब खुद जिम्मेदार लोग ही इस पर धर्म और आस्था के नाम पर नियम-कानूनों को ताक पर रखना, प्रकृति को नुकसान पहुंचाना और आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं, यह विकृति बढ़ रही है। पुनः बता दें कि हाल ही में 19 और 20 सितंबर को उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम पर टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में दो दिनों के ‘देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव’ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान तेज आवाज में डीजे, साउंड सिस्टम और गानों पर लोगों के थिरकने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इस के बाद आलोचना का दौर शुरू हो गया। आपको यह भी बता दें कि सत्तारूढ़ दक्षिण पंथी पार्टी भाजपा जेन-जी पीढ़ी को संस्कार संस्कृति से जोड़ कर अपसंस्कृति गालीबाजी और बड़ों को अपशब्द व आपत्तिजनक व्यवहार से बचाने दूसरी ओर टर्न करने के लिए सक्रिय है। इसी कड़ी में देश भर के जेन-जी को आकर्षित करने के लिए कुछ कार्यक्रम किए जा रहे हैं। आपको पता रहे अभी दो दिन पहले खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भजन क्लबिंग में हिस्सा लिया और बाकायदा ट्वीट किया कि हमारी जेन जी ‘भजन क्लबिंग’ की ओर बढ़ रही है... यह आध्यात्मिकता और आधुनिकता का एक सुंदर संगम है, जिसमें भजनों की पवित्रता का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। हम जानते हैं कि जिन्हें आलोचना करनी है उनको हर काम में बुराई नज़र आती है नई पीढ़ी को धर्म अध्यात्म की ओर आकर्षित कर उन्हें ड्रस लिब-इन रिलेशन अमर्यादित यौन हिंसा और विकृत सम्बन्धों से काफी हद तक बचाया जा सकता है बहरहाल, प्रधानमंत्री ने भजन क्लबिंग का यह ट्वीट बता रहा है कि अभी उन्होंने नयी पीढ़ी से जुड़ने की कोशिश की है नयी पीढ़ी अध्यात्म दर्शन भक्ति और नवोन्मेष के मॉडल को अपना रही है, जिसे वो नैतिकता आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम कह रहे हैं। नैतिकता



आध्यात्मिकता दर्शन नवोन्मेष आधुनिकता में कभी भी अलगाव नहीं रहा है, ये हमेशा साथ चले हैं।

वहीं कुछ लोग अलग ही किस्म का दर्शन धार्मिक कार्यक्रमों पर थोप रहे हैं, जिसमें भक्ति के नाम पर सड़क पर शोभा यात्रा और देव स्वरूपों को नचाने का धतकरम चल रहा है धर्म के इस दिखावे में धर्म का नुकसान हो रहा है, यदि ऐसा कार्यक्रम तीर्थस्थलों पर आयोजित किया जाता है तो सदियों से धर्म की रक्षा करने वाले तीर्थों की गरिमा को भी नुकसान पहुंच रहा है। बद्रीनाथ में सांस्कृतिक महोत्सव का अपना महत्व है इस तरह के आयोजन की रूपरेखा बनाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे महोत्सव के दौरान तेज संगीत, डीजे वर्जित रखा जाए और मर्यादाओं में रह कर पहाड़ प्रकृति और धर्म का आचरण किया जाए। हाल ही के बद्रीनाथ कांसर्ट की आलोचना को सिरे से नकार देना उचित नहीं है हिमालय प्रेमी और बद्रीनाथ के प्रति श्रद्धा रखने वाले कई लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई। यहां तक कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और विज्ञान के शिक्षक रहे मुरली मनोहर जोशी ने भी सोशल मीडिया पर इस आयोजन की तीखी आलोचना करते हुए लिखा, ‘बद्रीनाथ धाम में संगीत समारोह को छूट दिया जाना न सिर्फ सांस्कृतिक मर्यादाओं का उल्लंघन है बल्कि धाम की पवित्रता पर भी सीधा आघात है। आदि गुरु शंकराचार्य महाराज जी द्वारा इस धाम की स्थापना हिमालयी पर्यावरण में शांतिपूर्ण तरीके से भगवत भजन के लिए की थी। गौर करने वाली है कि इस जगह पर शंख बजाना भी मना है लेकिन हम उसे भूलकर शोर-शराबे वाले संगीत कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय मूल्यों की घोर उपेक्षा तो कर ही रहे हैं, साथ में इतनी ऊंचाई पर हजारों लोगों के नाचने से उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की भी उपेक्षा कर रहे हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि अब देवभूमि को बाजारू संस्कृति के रूप में परिणीत किया जा रहा है। जोशीजी की चिंता उचित और विचारणीय है। इसी क्षेत्र के माणा गांव के पूर्व प्रधान पीताम्बर सिंह मोलफा ने कहा कि हमारा इलाका बहुत ही संवेदनशील है। यहां धार्मिक परंपराओं और स्थानीय लोगों की भावनाओं को समझे बिना कोई भी बड़ा कार्यक्रम करना ठीक नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि चिपको आंदोलन से जुड़े चंडी प्रसाद भट्ट जी जैसे पर्यावरणविदों ने इस क्षेत्र के

लिए काफी सुझाव दिए हैं, लेकिन मास्टर प्लान तैयार करते समय उनकी बातों को दरकिनार किया गया। मास्टर प्लान के तहत बड़ी-बड़ी मशीनें दिन-रात शोर कर रही हैं, हेली सेवा से जो शोर होता है, उस पर कोई बात नहीं करता। हालांकि अब प्रशासन कह रहा है कि भविष्य में बद्रीनाथ में ऐसे किसी भी कार्यक्रम पर रोक लगाई गई है। लेकिन उसे जवाब देना चाहिए कि पहले ही यह सब क्यों नहीं रोका गया। प्रदूषण से केवल बद्रीनाथ नहीं केदारनाथ धाम भी ग्रस्त है। यहां आई विनाशकारी बाढ़ ने बता दिया था कि किस तरह जरूरत से ज्यादा भीड़ पहुंचने से सारा इको सिस्टम प्रभावित हो रहा है। केदारनाथ क्षेत्र में स्थानीय लोग लंबे समय से पर्यावरण और बढ़ते पर्यटन के दबाव से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। धाम के आसपास और यात्रा मार्ग पर साल-दर-साल रिकॉर्ड स्तर पर कचरा बढ़ रहा है, जिसका प्रबंधन नहीं हो पा रहा है। पर्यटक अपने पानी की खाली बोतल, खाने-पीने के पैकेट समेत कई सामान खाई में सीधे नीचे फेंक देते हैं, जिसे इकट्ठा करना काफी कठिनाई भरा या असंभव होता है। यह इस संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण के लिए एक गंभीर चेतावनी है। कचरे के बढ़ने के कारण भारी बारिश में हालात और बिगड़ जाते हैं। अभी रुद्रप्रयाग में ही लैंडस्लाइड होने की वजह से चारधाम यात्रा रोकनी पड़ी। बताया जा रहा है कि दोनों तरफ से करीब 4000 के आसपास तीर्थ यात्री फंसे हुए हैं।

इस तरह की खबरों से जाहिर होता है प्रकृति की मार से इंसान बच नहीं सकता। फिर भी सबक नहीं लिया जा रहा है। और यह केवल पहाड़ों की बात नहीं है, मैदानी इलाकों में भी ध्वनि प्रदूषण से हालत बुरी है। अभी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक स्कूल के बाहर गणेश विसर्जन के जुलूस के शोर से एक बारह साल की बच्ची की मौत की खबर आई है। कहा जा रहा है कि डीजे के शोर से बच्ची को हार्ट अटैक आया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस पूरे मामले का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है सुप्रीम कोर्ट ने ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए निर्देश दिए हैं, लेकिन धर्म के नाम पर उन निर्देशों की अवहेलना हो रही है। स्पष्ट है कि जरूरत इस बात की है कि पहाड़ की संवेदनशीलता का ध्यान रखते हुए धार्मिक पर्यटन और कार्यक्रमों का नियमन किया जाए पहाड़ धर्म अध्यात्म संस्कृति सब की मर्यादा का पालन करना चाहिए तात्विक तौर पर यह सब परस्पर जुड़े हुए हैं और इसी को अंगीकार करने और समझने की प्रेरणा हमारे शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है।

मुख्य सचिव ने की 25 बिंदु कार्यक्रम की समीक्षा



देहरादून। मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में 25 बिंदु कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की प्रगति के साथ उनके धरातल पर असर और आमजन को मिल रहे लाभ का भी आंकलन करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि पिरूल कलेक्शन से लाभार्थियों को अब तक कितनी

मॉनेटाइजेशन हुई है और कितने लोगों को इसका लाभ मिला है, इसका पूरा आंकड़ा तैयार किया जाए। साथ ही इससे लोगों की आय में कितना इजाफा हुआ, इसका भी आंकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी योजना की सफलता केवल उसके तहत किए गए कार्यों से नहीं, बल्कि उससे लोगों को मिल रहे वास्तविक लाभ से तय होनी चाहिए। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन और

सेग्रिगेशन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कचरे के संग्रहण से लेकर उसके पृथक्करण और निस्तारण तक पूरी व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों एवं सचिव पेयजल को एसटीपी से सम्बन्धित कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की क्षमता के अनुरूप एसटीपी का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी एसटीपी की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए प्रभावी एवं केन्द्रीयकृत व्यवस्था तैयार की जाए। इससे एसटीपी के संचालन और निर्धारित मानकों के अनुपालन पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़े

योजनाओं की प्रगति के साथ आमजन को मिल रहे लाभ का भी करें आंकलन: मुख्य सचिव

कमर्शियल संस्थानों और ग्रुप हाउसिंग में उनके स्वयं के एसटीपी की व्यवस्था को गंभीरता से लागू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए और मानकों की नियमित जांच की जाए। उन्होंने अतिक्रमण हटाने के साथ ही अतिक्रमण हटाने के बाद उन क्षेत्रों पर दोबारा अतिक्रमण न हो, इसके लिए जिलास्तर पर नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने जनपदों में पार्किंग विकसित करने से संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान लंबित योजनाओं में तेजी लाने

और आ रही बाधाओं का समयबद्ध समाधान करने को कहा। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि 25 पॉइंट कार्यक्रम की नियमित और मासिक समीक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समीक्षा में केवल आंकड़ों की प्रगति देखने के बजाय योजनाओं की जमीनी स्थिति, लाभार्थियों को मिल रहे लाभ और सामने आ रही समस्याओं पर भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन बिंदुओं पर प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं है, वहां कारणों की पहचान कर समयबद्ध तरीके से सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

प्रेमनगर में एमडीएमए के साथ 2 छात्र गिरफ्तार, महंगे शौक पूरे करने के लिए करते थे तस्करी

देहरादून। प्रेमनगर थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान पौधा के पास से दो शातिर नशा तस्करों को 8.73 ग्राम अवैध एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपी शहर के एक निजी शिक्षण संस्थान में पढ़ाई करते हैं और अपने महंगे खर्चों को पूरा करने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी के धंधे में उतर गए थे। उत्तराखंड सरकार के 'ड्रग्स फ्री देवभूमि' अभियान और पुलिस कप्तान द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत यह कार्रवाई की गई है। पुलिस की ओर से लगातार शैक्षणिक संस्थानों के आसपास और संभावित स्थानों पर निगरानी रखी जा रही थी। 30 सितंबर को बिधौली चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक जयेंद्र सिंह राणा की अगुवाई में पुलिस टीम पौधा क्षेत्र में रूटीन चेकिंग पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक नशीले पदार्थ की डिलीवरी देने जा रहे हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर दोनों को धर दबोचा। तलाशी लेने पर 22 वर्षीय



आदिल मोन पुत्र मुस्तफा के पास से 4.00 ग्राम और 25 वर्षीय साबिर अली पुत्र अब्दुल्ला के पास से 4.73 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। कुल 8.73 ग्राम एमडीएमए जब्त करने के बाद पुलिस दोनों को थाने ले आई, जहां आरोपियों के खिलाफ प्रेमनगर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 207/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 22 और 37 के अंतर्गत मामला पंजीकृत किया गया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी मूल रूप से केरल के

जिला मलप्पुरम के रहने वाले हैं। आदिल मोन पालातील कोडंगालूर हाउस और साबिर अली मंजरी का निवासी है, जो वर्तमान में देहरादून के प्रेमनगर स्थित ठाकुरपुर रोड पर किराए का कमरा लेकर रह रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे बाहर से सस्ते दामों में एमडीएमए खरीदकर लाते थे और इसके बाद देहरादून के विभिन्न कॉलेजों व हॉस्टलों में पढ़ने वाले छात्रों को ऊंचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाते थे। आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस अब क्षेत्र में सक्रिय कुछ अन्य नशा सप्लायरों की तलाश कर रही है। उपनिरीक्षक जयेंद्र सिंह राणा, सहायक उपनिरीक्षक रामलाल, कॉन्स्टेबल निर्भय नारायण और कॉन्स्टेबल वीरेंद्र सिंह भंडारी की टीम की इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने साफ किया है कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास चेकिंग अभियान को और सख्त किया जाएगा।

देहरादून पुलिस लाइन में भावुक क्षण: 5 पुलिसकर्मियों की सेवानिवृत्ति पर भव्य विदाई समारोह आयोजित



देहरादून। प्रांतीय राजधानी स्थित पुलिस लाइन परिसर में बुधवार को सितंबर महीने में सेवानिवृत्त हो रहे 5 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सम्मान में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमोद सिंह डोभाल की मौजूदगी में महकमे ने दशकों तक अपनी सेवाएं देने वाले जांबाजों को पूरे मान-सम्मान के साथ विदा किया। कार्यक्रम के दौरान एसएसपी देहरादून प्रमोद सिंह डोभाल ने सेवानिवृत्त हो रहे पुलिसकर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना करते हुए कहा कि वर्दी उतर जाने के बाद भी विभाग से उनका नाता कभी समाप्त नहीं होता। वे हमेशा पुलिस परिवार के अभिन्न अंग बने रहेंगे और भविष्य में किसी भी प्रशासनिक या व्यक्तिगत समस्या के समाधान के लिए पुलिस परिवार सदैव उनकी सहायता के लिए तैयार रहेगा। समारोह में जिन 5 पुलिस अधिकारियों को ससम्मान विदाई दी गई, उनमें अग्निशमन अधिकारी नजाकत अली, नागरिक पुलिस के अपर उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह रावत, गजेंद्र सिंह, राजेन्द्र सिंह चौधरी तथा सशस्त्र पुलिस के अपर उप निरीक्षक गिरीश चंद्र सिंह शामिल हैं। एसएसपी देहरादून ने सभी सेवामुक्त अधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

भाजपा पार्षद के घर लूट: ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से हायर नौकर ने साथियों संग दिया वारदात को अंजाम

देहरादून। बसंत विहार क्षेत्र में भाजपा पार्षद अमिता सिंह के घर हुई लूट की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही घरेलू सहायकों के सत्यापन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस घरेलू सहायक पर परिवार ने भरोसा जताते हुए उसे घर में काम पर रखा था, उसी पर परिवार के सदस्यों को नशीला पदार्थ खिलाकर घर में लूटपाट करने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अकेला नहीं था, बल्कि उसने अपने चार साथियों को भी बुलाया था। वारदात के बाद पांचों आरोपित घर से बाहर निकलते हुए सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए हैं। पुलिस अब फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। घटना बल्लीवाला चौक स्थित नाथ वाटिका के पास की बताई जा रही है। भाजपा पार्षद अमिता सिंह अपने पति महिपाल सिंह और बेटे शुभम सिंह के साथ घर पर थीं। बताया

जा रहा है कि परिवार की बेटी मेघा दिल्ली में रहती हैं। उन्होंने ही करीब 20 से 25 दिन पहले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से नेपाल मूल के एक व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटाई और उसे घरेलू कामकाज के लिए घर पर रखा था। आरोपी कुछ ही दिनों में परिवार के बीच घुल-मिल गया और उसने परिवार का विश्वास हासिल कर लिया। पुलिस के अनुसार मंगलवार रात घरेलू सहायक ने भोजन में नशीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाने के बाद परिवार के सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ ही देर में वे बेहोशी की हालत में पहुंच गए। इसी दौरान आरोपित ने अपने साथियों को घर में बुलाया और कथित तौर पर घर में रखे सोने के आभूषण समेत अन्य सामान लेकर फरार हो गया। जब परिवार के सदस्यों को होश आया तो उन्हें घर में हुई लूट की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।



परिवार के सदस्यों की तबीयत खराब होने के कारण उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पार्षद अमिता सिंह, उनके पति महिपाल सिंह और बेटे शुभम सिंह को सिनर्जी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया गया। पुलिस का कहना है कि परिवार के सदस्यों की हालत फिलहाल ठीक बताई जा रही है। घटना की सबसे अहम कड़ी घरेलू सहायक की नियुक्ति को माना जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी को परिवार की बेटी मेघा ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये काम पर

रखा था। बताया जा रहा है कि घरेलू कामकाज के लिए युवक को रखने से पहले ऑनलाइन माध्यम से उसके संबंध में जानकारी जुटाई गई थी। इसके बाद उसे घर पर काम करने के लिए बुलाया गया। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि आरोपी को घर में रखने से पहले उसकी पहचान और पते का वास्तविक सत्यापन किस स्तर पर किया गया था। उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेज सही थे या नहीं, दस्तावेजों में दर्ज पता

वास्तविक है या नहीं और उसकी पूर्व गतिविधियों के संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध थी या नहीं, इन सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी के नाम, मोबाइल नंबर, स्थायी पते और उसके संपर्क में रहे लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। जिस ऑनलाइन माध्यम के जरिये उसे काम पर रखा गया था, वहां उपलब्ध उसकी प्रोफाइल और अन्य जानकारी को भी जांच के दायरे में लिया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया रक्तदान का आह्वान

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया है। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का उद्देश्य आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। रक्तदान को महादान बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से किसी व्यक्ति को जीवन का नया उपहार दिया जा सकता है। स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर रक्तदान करने से स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता तथा शरीर में दान किए गए रक्त की पूर्ति प्राकृतिक रूप से हो जाती है।

2 अक्टूबर को यूपीआई भुगतान नहीं लेंगे हरिद्वार के व्यापारी

हरिद्वार ,संवाददाता । यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में हरिद्वार डिस्ट्रीब्यूटर संगठन ने दो अक्टूबर को सांकेतिक विरोध का निर्णय लिया है। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि इस दिन संगठन से जुड़े व्यापारी यूपीआई, पेटीएम समेत किसी भी ऑनलाइन माध्यम से भुगतान स्वीकार नहीं करेंगे और केवल नकद भुगतान लिया जाएगा। संगठन ने अन्य व्यापारियों से भी इस सांकेतिक विरोध में शामिल होने की अपील की है। व्यापारियों ने कहा कि यूपीआई पर एमडीआर लागू करने का निर्णय व्यापारियों के हित में नहीं है। इसी के विरोध में दो अक्टूबर को एक दिन के लिए ऑनलाइन भुगतान से दूरी बनाकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। संगठन ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम केवल सांकेतिक है और व्यापारियों से इस दिन यूपीआई, पेटीएम व अन्य ऑनलाइन भुगतान स्वीकार न करने का आग्रह किया गया है। इस मौके पर व्यापारियों ने कहा कि वे एक हैं और एकजुट होकर एमडीआर का विरोध करेंगे। देश के विभिन्न व्यापारिक संगठनों की ओर से भी 'नो यूपीआई डे' के रूप में सांकेतिक विरोध का आह्वान किया गया है। संगठन के अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टेजा, प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, महामंत्री सुनील अरोड़ा, उपाध्यक्ष सागर आहूजा, अमित बत्रा, मनीष बत्रा, रुपेश गोयल, अतुल गोयल, शैलाभ गोयल, अमितेश गुप्ता, दीपक कंसल, तरुण भाटिया, सुरेश साहनी, अभिषेक बाटला, आलोक गुप्ता, गौरव शर्मा, संजीव बब्बर, नीरज मंगल, दीपक हंस, अभिषेक, अभिषेक अग्रवाल समेत अन्य व्यापारियों ने विरोध में एकजुटता जताई। इस मौके पर संदीप, आशीष गर्ग, नितिन गुप्ता, कमलकांत चावला, प्रभास कंसल, अमित अग्रवाल, अमित अरोड़ा, इंद्रजीत, दीपक गोयल, सचिन गोयल, हरीश ढींगरा और मयंक कुमार समेत अन्य व्यापारी भी मौजूद रहे।

अभिलेखों में 15 एमएम दर्ज, मौके पर 20 एमएम पाइप के पाने के कनेक्शन कटेंगे

हरिद्वार । उत्तराखंड जल संस्थान ने जल संयोजन में अनियमितता मिलने पर उपभोक्ताओं को सख्त चेतावनी जारी की है। विभाग के सज्जान में आया है कि बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के अभिलेखों में 15 एमएम के जल संयोजन दर्ज हैं, जबकि भौतिक सत्यापन के दौरान उनके परिसरों में 20 एमएम के जल संयोजन पाए जा रहे हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत क्षमता से अधिक आकार का संयोजन मिलने पर बिना किसी पूर्व सूचना के तत्काल प्रभाव से कनेक्शन काट दिया जाएगा। मंगलवार को अधिशासी अभियंता विपिन कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं को अपने पानी के कनेक्शन की जांच कर अभिलेखों में दर्ज विवरण के अनुरूप रखना अनिवार्य है विभागीय जांच के दौरान स्वीकृत क्षमता से अधिक आकार का पाइप लगा कनेक्शन मिलने पर संबंधित उपभोक्ता स्वयं जिम्मेदार होगा। ऐसे मामलों में विभाग की ओर से नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ईई ने उपभोक्ताओं से अपील की कि किसी भी कार्रवाई से बचने के लिए अपने जल संयोजन और विभागीय अभिलेखों का मिलान करा लें।

पुलिस ने 52 पाउच अवैध देशी शराब के साथ आरोपी पकड़ा

हरिद्वार । ऑपरेशन प्रहार के तहत नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में ज्वालापुर पुलिस ने एक आरोपी को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 28 सितंबर को चेकिंग के दौरान मोहल्ला मालियान से जगपाल पुत्र हरि सिंह, निवासी मोहल्ला कैथवाड़ा, ज्वालापुर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके कब्जे से माल्टा मार्का देशी शराब के 52 पाउच बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पार्षद पति समेत 20 से 25 लोगों पर घर में

घुसकर मारपीट का आरोप, केस दर्ज

हरिद्वार । रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के टिबड़ी में पार्षद पति और उसके साथियों पर एक महिला के घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर रानीपुर पुलिस ने पार्षद पति, पार्षद के बेटे और अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरकारी बिल्डिंग संजय नगर टिबड़ी निवासी निशू ने पुलिस को दिए शिकायत पत्र में बताया कि 27 सितंबर की रात करीब साढ़े नौ बजे पार्षद पति अनिल, पार्षद के बेटे उदय पुत्र अनिल, शुभम उर्फ कुक्की पुत्र हेमराज, रिकू और कार्तिक समेत करीब 20-25 लोग जबरन उसके घर में घुस आए। आरोप है कि सभी ने महिला और उसके माता-पिता के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। शिकायत के अनुसार, विरोध करने पर आरोपियों ने महिला के साथ मारपीट की। एसएचओ मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि मामले में शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सगाई के बाद कार की मांग, रिश्ता

तोड़ने का आरोप, केस दर्ज

हरिद्वार । सिडकुल थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती ने पुरकाजी, मुजफ्फरनगर निवासी युवक और उसके परिजनों पर दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर रिश्ता तोड़ने और सगाई में दिया सामान व रकम वापस नहीं करने का आरोप लगाया है। हेतमपुर आन्नेकी निवासी शालू की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता के अनुसार, 19 अप्रैल को सगाई हुई थी, जिसमें करीब 5.50 लाख रुपये का सामान और खर्च दिया गया था। बाद में कार की मांग की गई और 20 मई को रिश्ता तोड़ने की बात कही गई। एसओ सिडकुल अजय शाह ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है।

रुड़की के झबरेड़ी कलां में दोहरा हत्याकांड, भाई ने बहन और उसके प्रेमी को मारी गोली

रुड़की : प्रेम संबंध से नाराज भाई का खूनी खेल, घर में घुसकर चलाई दनादन गोलियां, दो की मौत

रुड़की ,संवाददाता । हरिद्वार जिले के झबरेड़ा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत झबरेड़ी कलां गांव में शनिवार सुबह गोलियों की तड़ितड़ाहट से इलाका थरा उठा। कथित प्रेम संबंध से नाराज एक युवक ने अपनी ही सगी बहन और उसके साथ मौजूद एक स्थानीय युवक पर राइफल/तर्मचे से दनादन गोलियां बरसा दीं। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में इलाज के दौरान दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।

सुबह 8:45 बजे हुआ खूनी खेल- प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार सुबह लगभग 8:45 बजे की है। झबरेड़ी कलां निवासी अमन नामक युवक का अपनी बहन के चाल-चलन और पड़ोस के युवक से चल रहे कथित प्रेम संबंध को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार सुबह बात इतनी बढ़ी कि अमन ने आपा खो दिया और घर के भीतर ही अपनी बहन रूपा तथा अशोक के पुत्र सूरज पर गोली चला दी। फायरिंग का जोरदार धमाका सुनते ही आसपास के ग्रामीण दहशत में आ गए और मौके की तरफ दौड़े। वहां दोनों खून से लथपथ पड़े मिले।

अस्पताल पहुंचने से पहले टूटी सांसें- ग्रामीणों और परिजनों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल नजदीकी झबरेड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने सूरज की गंभीर हालत को देखते



हुए बचाने का प्रयास किया, लेकिन अत्यधिक खून बह जाने के कारण उसने दम तोड़ दिया। दूसरी ओर, रूपा की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक डॉक्टरों ने उसे तुरंत हायर सेंटर (Higher Center) देहरादून/ऋषिकेश के लिए रेफर कर दिया। हालांकि, नियति को कुछ और ही मंजूर था—हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही युवती की भी सांसें थम गईं। एक ही सुबह दो मौतों की खबर फैलते ही पूरे झबरेड़ी कलां गांव में मातम और सन्नाटा पसर गया।

पुलिस बल तैनात, साक्ष्य जुटाने में जुटी फॉरेंसिक टीम- सूचना मिलते ही झबरेड़ा कोतवाली पुलिस बल के

साथ मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल को सील कर फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने इस संवेदनशील मामले में शांति बनाए रखने के लिए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी है। भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (CO) और थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती तफ्तीश में मामला ऑनर किलिंग (Honor Killing) और पारिवारिक रंजिश का प्रतीत हो रहा है। आरोपी घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पुरानी रंजिश में हैप्पी को मारी गोली, 10 हजार इनामी मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार । पतंजलि रोड पर देव धर्मकांटा के पास बीती 14 सितंबर को बाइक मिस्रि हैप्पी की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने 10 हजार के इनामी मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को सहारनपुर के छुटमलपुर फ्लाईओवर के पास घेराबंदी कर दबोचा गया। उसकी निशानदेही पर हत्या में उपयोग 315 बोर का तमंचा, खोखा-कारतूस और खून से सनी शर्ट बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार हत्या पुरानी रंजिश के चलते साथी मुदस्सिर और शादाब के साथ मिलकर की गई थी। पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर को शांतरशाह निवासी 28 वर्षीय हैप्पी पुत्र राजकुमार की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के भाई कपिल की तहरीर पर बहादुराबाद कोतवाली में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को मुख्य आरोपी इस्तकार उर्फ इस्तयाक पुत्र वहीद निवासी ग्राम शांतरशाह बहादुराबाद के यूपी में थाना फतेहपुर क्षेत्र में देखे जाने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने छुटमलपुर फ्लाईओवर के पास घेराबंदी कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने बताया कि आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल तमंचा और खून से लदी शर्ट बरामद हुई है। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम रखा गया था।

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि इस्तकार को शक था कि हैप्पी ने साल 2022 के एक मामले में पुलिस को मुखबिरी की थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 12 सितंबर को घटनास्थल की रेकी की और दो दिन बाद हैप्पी की हत्या कर दी। मृतक हैप्पी लगातार आरोपी को पकड़वाने की धमकी दे रहा था। साथ ही रुपयों की मांग कर रहा था। पुलिस ने बताया कि मामले में एक आरोपी मुदस्सिर 20 पुत्र जमशेद निवासी ग्राम दौतौली रांगण सहारनपुर को बीते शनिवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। पैर में गोली लगने पर आरोपी को अस्तपाल में भर्ती कराया गया था। मुठभेड़ के बाद आरोपी की जेल भेजा जा चुका है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी है।

हैप्पी हत्याकांड में पुलिस मुठभेड़

हरिद्वार ,संवाददाता । बहादुराबाद के शांतरशाह गांव में 14 सितंबर को हुए बहुचर्चित हैप्पी हत्याकांड के आरोपियों से पुलिस की दौलतपुर के घने जंगल में मध्य रात्रि मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, जंगल में बदमाशों की मौजूदगी की सूचना पर टीम ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरा बदमाश अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस ने सघन अभियान शुरू कर दिया है।

शांतरशाह निवासी 26 वर्षीय हैप्पी की गांव के बाजार में बाइक मैकेनिक की दुकान थी। 14 सितंबर की शाम करीब सवा सात बजे वह दुकान पर बैठा था। इसी दौरान दो नकाबपोश बदमाश कॉलोनी की तरफ से पहुंचे और हैप्पी पर अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। करीब दो गोलियां लगने से हैप्पी गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। वारदात के बाद दोनों बदमाश जंगल की ओर फरार हो गए। परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे तथा घायल हैप्पी को निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हत्याकांड के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई विशेष टीमों गठित की थीं। पुलिस लगातार बदमाशों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान दौलतपुर के जंगल में बदमाशों के छिपे होने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने जंगल की घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हुआ, जबकि उसका साथी मौके से भाग निकला। पुलिस फरार बदमाश की तलाश के साथ ही मुठभेड़ में मारे गए आरोपी की पहचान और हत्याकांड में उसकी भूमिका की जांच कर रही है।

काल चक्र की संक्रांति और पितृ चेतना का अवतरण पितृ पक्ष

—अशोक 'प्रवृद्ध'

सनातन काल गणना में समय केवल एक रेखिक गति नहीं है, अपितु यह एक सुव्यवस्थित, चक्रीय और आध्यात्मिक स्पंदन है। उत्तरायण और दक्षिणायन की संक्रांति के मध्य, आश्विन मास का कृष्ण पक्ष भारतीय संस्कृति में एक अत्यंत पावन और रहस्यात्मक कालखंड के रूप में प्रतिष्ठित है, जिसे लोक व्यवहार में पितृ पक्ष अथवा महालय कहा जाता है। आधुनिक भौतिकवादी दृष्टि जिसे केवल एक मृत संस्कृति, अंधविश्वास या कर्मकांडीय औपचारिकता मानकर उपेक्षित कर देती है, वह वास्तव में सूक्ष्म जीव विज्ञान, ब्रह्मांडीय ऊर्जा के संचरण और ऋण शोधन का एक परम वैज्ञानिक विधान है। उल्लेखनीय है कि दृश्य जगत के पीछे अदृश्य शक्तियों का एक विराट जाल कार्य कर रहा है। पितृ पक्ष इसी दृश्य और अदृश्य जगत के मध्य एक आध्यात्मिक सेतु है, जो यह सिद्ध करता है कि मृत्यु जीवन का अंत नहीं, अपितु चेतना का केवल देशांतरण है।

वेदों में पितृ तत्व को किसी काल्पनिक प्रेत या भय उत्पन्न करने वाली सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि देवताओं के समतुल्य एक दिव्य ऊर्जा पुंज के रूप में स्वीकार किया गया है। ऋग्वेद का दसवां मण्डल पितृ चेतना के रहस्यों से परिपूर्ण है। ऋग्वेद 10/15/1 में ऋषियों ने उद्घोष किया है—

**उदीरतामवर उपरास उमध्यमाः पितर
अग्रवासाः।**

**असुं य ईयुग्वृका ऋतज्ञास्ते नो अवन्तु
पितरो हवेषु॥**

इस मंत्र का निहितार्थ यह है कि पितर तीन श्रेणियों में विभक्त हैं— अवर (निम्न लोक में स्थित या सद्य मृत), मध्यम (अंतरिक्ष लोक में स्थित), और पर (उच्च या सोम लोक में स्थित दिव्य पितर)। वे ऋतज्ञ हैं, अर्थात् वे ब्रह्मांड के परम सत्य और प्राकृतिक नियमों के ज्ञाता हैं। वैदिक मतानुसार मनुष्य का अस्तित्व केवल पंचमहाभूतों के इस वर्तमान शरीर तक सीमित नहीं है। हमारे पूर्वज, जिन्होंने अपने स्थूल शरीर का परित्याग कर दिया है, वे अपनी सूक्ष्म तरंगों के माध्यम से अंतरिक्ष लोक में आज भी विद्यमान हैं और सृष्टि के सातत्य को बनाए रखने में अपनी ऊर्जा का योगदान दे रहे हैं। यजुर्वेद और अथर्ववेद में भी पितरों को स्वधा मंत्र के साथ आहुतियां प्रदान की गई हैं। देवताओं के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द स्वाहा है, जबकि पितरों के लिए स्वधा का प्रयोग किया जाता है। व्याकरण शास्त्र के अनुसार स्वधा का अर्थ है— अपनी अंतर्निहित शक्ति, अथवा वह अन्न जो सूक्ष्म शरीर को तृप्त करने में समर्थ हो। यह इस बात का प्रमाण है कि वैदिक ऋषि इस सूक्ष्म विज्ञान से पूर्णतः परिचित थे कि स्थूल अन्न को किस प्रकार मंत्र और श्रद्धा की ऊर्जा द्वारा सूक्ष्म तत्वों में रूपांतरित कर अंतरिक्ष लोक में संचरण कर रहे पितरों तक पहुँचाया जा सकता है। सनातन दर्शन में मनुष्य का जन्म केवल व्यक्तिगत उपभोग के लिए नहीं होता, अपितु वह जन्म लेते ही समष्टि के प्रति कुछ अनिवार्य दायित्वों से बंध जाता है। शतपथ ब्राह्मण और तैत्तिरीय संहिता में ऋण त्रय का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है, जिसके अनुसार प्रत्येक मनुष्य पर तीन प्रकार के जन्मजात ऋण होते हैं— देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण। देव ऋण उन प्राकृतिक शक्तियों (सूर्य, वायु, जल, पृथ्वी) के प्रति ऋण है, जो हमारे जीवन को संभव बनाती हैं। यज्ञ और पर्यावरण की रक्षा द्वारा इसका शोधन होता है।

ऋषि ऋण उन मनीषियों के प्रति ऋण है, जिन्होंने ज्ञान, विज्ञान, भाषा और संस्कृति की परंपरा हमें सौंपी। स्वाध्याय और ज्ञान के प्रसार द्वारा मनुष्य इस ऋण से मुक्त होता है।

पितृ ऋण हमारे माता-पिता और पूर्वजों के प्रति ऋण है, जिन्होंने हमें यह भौतिक शरीर प्रदान किया, हमारी रक्षा की और कुल की परंपरा को आगे बढ़ाया। संतानोत्पत्ति और पितृ पक्ष में श्राद्ध-तर्पण के माध्यम से इस ऋण का शमन होता है। इस ऋण त्रय के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि पितृ पक्ष कोई ऐच्छिक कर्मकांड नहीं, बल्कि



एक अनिवार्य नैतिक कर्तव्य है। जो समाज अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना भूल जाता है, उसका सांस्कृतिक और नैतिक पतन अवश्यभावी है। पितृ पक्ष वास्तव में कृतज्ञता का वैश्विक उत्सव है। श्राद्ध शब्द की उत्पत्ति श्रत् और धा के संयोग से हुई है। श्रत् सत्यं दधाति इति श्रद्धा— जो सत्य को धारण करे, वही श्रद्धा है। और श्रद्धया इदं श्राद्धम् अर्थात् जो कार्य पूर्ण श्रद्धा के साथ, पूर्वजों के निमित्त किया जाए, वह श्राद्ध है। महर्षि याज्ञवल्क्य के अनुसार श्राद्ध का मूल तत्व अन्न या जल का दान मात्र नहीं है, बल्कि उसके पीछे छिपा हुआ संकल्प और श्रद्धा का वेग है। श्राद्ध विवेक और निर्णयसिंधु जैसे ग्रंथों के अध्ययन से यह तथ्य प्रकट होता है कि श्राद्ध के मुख्यतः तीन घटक हैं— तर्पण, पिंडदान और ब्राह्मण भोजन व दान। तर्पण— तृप्यन्ति अनेन इति तर्पणम् अर्थात् जिसके द्वारा तृप्ति मिले। जल में तिल, चंदन और कुशा मिलाकर जब अंगूठे के माध्यम से (पितृ तीर्थ से) जल अंजलि दी जाती है, तो वह केवल भौतिक जल नहीं रहता। कुशा एक ऐसी वनस्पति है, जिसमें ब्रह्मांडीय तरंगों को ग्रहण करने और उन्हें संचरित करने की अद्भुत क्षमता होती है। काले तिल ऊर्जा के श्रेष्ठ सुचालक हैं। जब इन तत्वों के साथ मंत्रोच्चार होता है, तो एक विशिष्ट विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र निर्मित होता है, जो हमारे संकल्प को पितृ लोक तक प्रेषित करता है।

पिंडदान— पिंड का अर्थ है गोल आकृति, जो ब्रह्मांड और हमारे शरीर दोनों का प्रतीक है। जौ के आटे, खोये या चावल से बने पिंड वास्तव में उस स्थूल शरीर का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसे हमारे पूर्वजों ने छोड़ा था। पिंडदान के माध्यम से हम यह घोषणा करते हैं कि उनके शरीर का अंश आज भी हमारे भीतर सुरक्षित है और हम उनके प्रति पूर्णतः समर्पित हैं।

ब्राह्मण भोजन व दान— भारतीय दर्शन में अहं ब्रह्मास्मि और सर्वं खलु इदं ब्रह्म के सिद्धांत के अनुसार, प्रत्येक जीव में उसी एक परमात्मा का वास है। श्राद्ध के समय सुयोग्य, ज्ञानी और सदाचारी व्यक्ति को कराया गया भोजन सीधे पितरों की तृप्ति का कारण बनता है, क्योंकि चेतना के धरातल पर संपूर्ण विश्व एक ही ताने-बाने से बुना हुआ है। पितृ पक्ष का समय कोई आकस्मिक चयन नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा खगोलीय विज्ञान कार्यरत है। आश्विन मास में सूर्य देव सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करते हैं। ज्योतिषीय और खगोलीय गणना के अनुसार जब सूर्य कन्या राशि में होता है, तब पृथ्वी और चंद्रलोक, जिसे पितृलोक का द्वार माना गया है के

मध्य की दूरी और कोणीय स्थिति ऐसी होती है कि चुंबकीय तरंगें सीधे पृथ्वी की ओर आकर्षित होती हैं। वायु पुराण और मत्स्य पुराण में इसका विस्तृत विश्लेषण मिलता है। चंद्रमा का जो ऊर्ध्व भाग है, वह पितृलोक कहलाता है। जब सूर्य कन्या राशि में होता है, तो पितरों को अपनी संतानों के सबसे निकट आने का अवसर मिलता है। इसे महालय इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह महान आलय (मिलन स्थल) है, जहां दृश्य जगत के मनुष्य और अदृश्य जगत के पितर एक सूक्ष्म धरातल पर परस्पर मिलते हैं। इस अवधि में किया गया तर्पण सीधे पितृ चेतना को उद्देलित और तृप्त करता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में श्राद्ध की महिमा और दान के महत्व पर अत्यंत मार्मिक विमर्श मिलता है। एक प्रसिद्ध प्रसंग दानवीर कर्ण से जुड़ा है। युद्ध के पश्चात जब कर्ण वीरगति को प्राप्त होकर स्वर्ग पहुंचे, तो उन्हें भोजन के स्थान पर केवल स्वर्ण, रत्न और आभूषण खाने के लिए दिए गए। व्याकुल होकर कर्ण ने यमराज से इसका कारण पूछा। यमराज ने स्पष्ट किया कि तुमने अपने संपूर्ण जीवन में केवल सुवर्ण और धन का ही दान किया, अपने पूर्वजों को कभी अन्न और जल का दान नहीं दिया, इसलिए तुम्हें यहां वही प्राप्त हो रहा है जो तुमने बोया था। कर्ण ने तर्क दिया कि वे अपने पूर्वजों के नाम और गोत्र से अनभिज्ञ थे, इसलिए वे ऐसा नहीं कर पाए। तब यमराज ने उन्हें पंद्रह दिनों के लिए पुनः पृथ्वी पर जाने की अनुमति दी। कर्ण ने पृथ्वी पर आकर उन पंद्रह दिनों में भूखों को अन्न खिलाया, जल पिलाया और अपने पितरों का श्राद्ध किया। यही पंद्रह दिन पितृ पक्ष के रूप में अमर हो गए। यह कथा इस शाश्वत सत्य को उद्घाटित करती है कि मनुष्य चाहे कितना भी भौतिक धन अर्जित कर ले, किंतु जीवन की निरंतरता के लिए अन्न, जल और संवेदनशीलता ही सर्वोपरि हैं। आधुनिक तार्किक बुद्धि प्रायः एक प्रश्न उठाती है— यदि आत्मा अमर है और वह अपने कर्मों के अनुसार तुरंत दूसरा जन्म ले लेती है, तो फिर श्राद्ध का अन्न या तर्पण उन तक कैसे पहुँच सकता है? क्या यह विरोधाभास नहीं है? सनातन मेधा इस शंका का अत्यंत वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत करती है। मार्कण्डेय पुराण में इस विषय पर एक अत्यंत गहरा और विश्लेषणात्मक संवाद है। आत्मा जब नया शरीर धारण करती है, तो वह किसी भी योनि में जा सकती है, वह देव, मनुष्य, पशु, पक्षी या वृक्ष कुछ भी बन सकती है। किंतु श्राद्ध के समय जो मंत्र और नाम, गोत्र का उच्चारण किया जाता है, वह एक कूरियर या विशिष्ट तरंग सूचकांक की भांति कार्य करता है। यदि हमारे पूर्वज देव योनि में हैं, तो यहां दिया गया अन्न उन्हें अमृत के रूप में प्राप्त होता है। यदि वे गंधर्व योनि में हैं, तो उन्हें भोग के रूप में, यदि वे पशु योनि में हैं, तो तृण (घास) के रूप में, और यदि वे मनुष्य योनि में हैं, तो अन्न के रूप में उन्हें तृप्ति मिलती है।

इसे इस प्रकार समझा जा सकता है कि जैसे हम भारत से विदेश में बैठे किसी व्यक्ति को धन भेजते हैं, तो वह भारतीय रुपया वहां की मुद्रा (डॉलर या यूरो) में रूपांतरित होकर उसे मिलता है। ठीक उसी प्रकार, हमारी श्रद्धा और मंत्र की शक्ति यहाँ के स्थूल पदार्थों को पितरों की वर्तमान योनि के अनुकूल सूक्ष्म ऊर्जा में परिवर्तित कर देती है। यह ब्रह्मांडीय रूपांतरण का नियम है। पितृ पक्ष का श्राद्ध केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है, यह संपूर्ण चराचर सृष्टि को अपने भीतर समेट लेता है। श्राद्ध कर्म में पंचबलि का विधान है, जिसके अंतर्गत पांच विशेष जीवों को भोजन निकाला जाता है— गौ बलि (गाय), श्वान बलि (कुत्ता), काक बलि (कौआ), देवादि बलि (चींटियाँ व कीड़े-मकोड़े) और पिपीलिकादि बलि (अतिथि व भिक्षुक)।

गाय को सनातन परंपरा में साक्षात् पृथ्वी और दैवीय ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। यह सात्विक गुणों का पोषण करती है। कुत्ता यमराज का प्रतीक माना गया है और इसकी घ्राण शक्ति तथा सूक्ष्म तरंगों को भांपने की क्षमता अद्भुत होती है। यह आधिभौतिक सुरक्षा का प्रतीक है। कौआ अंतरिक्ष लोक और पृथ्वी लोक के मध्य एक संदेशवाहक माना गया है। दीर्घायु और सूक्ष्म जगत से संपर्क के कारण काक को भोजन देना पितरों की सीधी तृप्ति से जुड़ा है। देवादि बलि, चींटियाँ व कीड़े-मकोड़े

आदि सूक्ष्म जीवों के प्रति हमारे उत्तरदायित्व को दर्शाता है, जो पारिस्थितिकी तंत्र के अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं। पिपीलिकादि बलि, अतिथि व भिक्षुक आदि मानव समाज के उन वंचित तत्वों के प्रति करुणा, जो साक्षात् ईश्वर का रूप हैं। इस पंचबलि विधान यह स्पष्ट करता है कि पितृ पक्ष वास्तव में मनुष्य को स्वार्थ के संकुचित दायरे से बाहर निकालकर संपूर्ण ब्रह्मांड के साथ एकाकार करने का अनुष्ठान है। यह जैव विविधता और सह अस्तित्व का वह उच्चतम आदर्श है, जिसकी कल्पना आधुनिक पर्यावरणविद आज कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पितृ पक्ष कोई अतीत की मृत कड़ियाँ जोड़ने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह वर्तमान को समृद्ध और भविष्य को सुरक्षित करने का एक जीवंत माध्यम है। जिस प्रकार एक वृक्ष की जड़ें यदि सूखी रहें, तो उसकी शाखाओं पर कभी सुंदर पुष्प और फल नहीं लग सकते, उसी प्रकार यदि हमारे पितर अतृप्त और विस्मृत रहेंगे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियाँ कभी सुखी और संस्कारी नहीं हो सकतीं। आज समाज में जो डिप्रेशन, पारिवारिक कलह, वंशानुगत रोग और मानसिक अशांति दिखाई दे रही है, उसे ज्योतिष और आयुर्वेद में कई बार पितृ दोष के रूप में चिह्नित किया जाता है। पितृ दोष वास्तव में हमारे पूर्वजों की ऊर्जा के साथ हमारे अस्तुलन का नाम है।

पितृ पक्ष हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने का संदेश देता है। यह हमें स्मरण कराता है कि हम इस संसार में अकेले नहीं आए हैं, हमारे पीछे सहस्रों वर्षों का एक गौरवशाली इतिहास, तपस्या और रक्त संबंध खड़ा है। जब हम पूर्ण श्रद्धा के साथ जल की एक अंजलि अपने पूर्वजों को अर्पित करते हैं, तो हम वास्तव में अपनी संस्कृति, अपनी परंपरा और अपने अस्तित्व के प्रति अपनी निष्ठा को नवीनीकृत कर रहे होते हैं। वैदिक वांगमय का यह अमर संदेश संपूर्ण मानवता के लिए कल्याणकारी है—

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति

सिन्धवः। माध्वीनः सन्त्वोषधीः॥

मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिवं

रजः। मधु द्यौरस्तु नः पिता॥

हवाएं मधुमय हों, नदियां अमृत बहाएं, औषधियां आनंददायी हों, और हमारे पूर्वज (पिता) हमारे लिए कल्याणकारी और आनंदमय हों। इसी समष्टिगत कल्याण की भावना में पितृ पक्ष की वास्तविक वेदानुकूल सार्थकता अंतर्निहित है।

मां चंडी देवी मंदिर से गूंजा स्वच्छता का बिगुल

हरिद्वार । धर्मनगरी हरिद्वार में स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के अंतर्गत मां चंडी देवी मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। आईटीसी मिशन सुनहरा कल, श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम एवं नगर निगम हरिद्वार के संयुक्त प्रयास से आयोजित अभियान में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया। मां चंडी देवी मंदिर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल पर आयोजित अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि आस्था के साथ स्वच्छता भी प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान मंदिर परिसर एवं

आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया तथा लोगों को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया। अभियान में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि स्वच्छता केवल कूड़ा उठाने तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह व्यवहार परिवर्तन, सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक संस्कार से जुड़ा विषय है। धार्मिक स्थलों, घाटों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि स्वच्छता और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की नींव है और स्वस्थ एवं जागरूक समाज ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

निविन पॉली की 'बेथलहम कुडुम्बा यूनिट' ने रचा इतिहास



निविन पॉली और मामिता बैजू अभिनीत मलयालम फिल्म 'बेथलहम कुडुम्बा यूनिट' ने बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच दिया है। गिरीश एडी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने केरल में दर्शकों की संख्या के मामले में वर्ष 2000 के बाद की सभी मलयालम फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म को अब तक 90 लाख से अधिक दर्शकों द्वारा देखे जाने का दावा किया जा रहा है। दर्शकों की संख्या के मामले में

फिल्म ने मलयालम सिनेमा की चर्चित फिल्मों 'नरसिम्ह' और 'पुलिमुरुगन' के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। 'नरसिम्ह' को केरल में करीब 78 लाख दर्शकों ने देखा था, जबकि 'पुलिमुरुगन' के दर्शकों की संख्या 75 लाख से अधिक बताई जाती है। 'बेथलहम कुडुम्बा यूनिट' ने इन दोनों फिल्मों के आंकड़ों को पार करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। रिलीज के

महज 24 दिनों में फिल्म ने 300 करोड़ रुपये के सकल कारोबार का आंकड़ा पार कर लिया था। इसके साथ ही फिल्म ने मलयालम सिनेमा की बड़ी व्यावसायिक सफलताओं में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उपलब्ध रिपोर्टों

के अनुसार, फिल्म का दुनिया भर में कुल कारोबार अब 310 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है।

इससे पहले 'लोकाह: चैप्टर 1 - चंद्र' ने दुनिया भर में 302 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी। 'बेथलहम कुडुम्बा यूनिट' ने अब उस आंकड़े को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म की कमाई अभी जारी है और आने वाले दिनों में इसके कारोबार में और बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है।

दर्शकों की संख्या के साथ-साथ फिल्म ने अपने घरेलू बाजार केरल में कमाई के मामले में भी नया रिकॉर्ड कायम किया है। फिल्म ने राज्य में करीब 150 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है और यह केरल में सबसे अधिक कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है।

इससे पहले 'वाझा 2' ने केरल में करीब 130 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। हालांकि, 'वाझा 2' का दुनिया भर का कारोबार करीब 235 करोड़ रुपये रहा था। 'बेथलहम कुडुम्बा यूनिट' ने केरल के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी कारोबार

के नए आंकड़े स्थापित किए हैं।

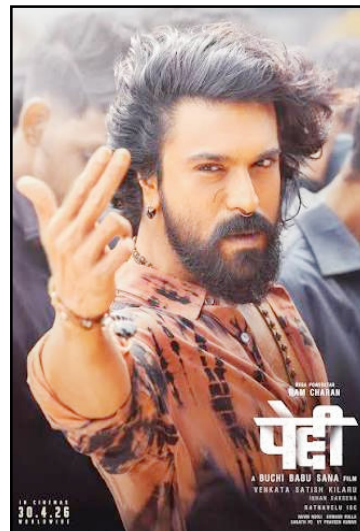
'बेथलहम कुडुम्बा यूनिट' की सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह मुख्य रूप से एक रोमांटिक मनोरंजक फिल्म है। केरल जैसे मजबूत मलयालम फिल्म बाजार में किसी फिल्म का 90 लाख से अधिक दर्शकों तक पहुंचना बड़ी उपलब्धि है।

फिल्म के मलयालम संस्करण को दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिला है। वहीं, इसके तमिल और तेलुगु में प्रदर्शित किए गए संस्करणों का सिनेमाघरों में कुल कारोबार में अपेक्षाकृत सीमित योगदान रहा है। इसके बावजूद मूल मलयालम संस्करण की मजबूत पकड़ ने फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता दिलाई है। निविन पॉली और मामिता बैजू की जोड़ी वाली इस फिल्म की लगातार बढ़ती कमाई ने इसे मौजूदा दौर में मलयालम सिनेमा की सबसे चर्चित व्यावसायिक सफलताओं में शामिल कर दिया है। फिल्म की दर्शक संख्या और दुनिया भर की कमाई में लगातार हो रही वृद्धि पर अब उद्योग की नजर बनी हुई है।

यश की 'टॉक्सिक' ने 'पेद्दी' को पछाड़ा, बनी 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' रिलीज से पहले काफी चर्चा में रही थी। हालांकि, सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के बाद फिल्म को समीक्षकों से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली और दर्शकों की नकारात्मक प्रतिक्रिया का असर इसके कारोबार पर भी दिखाई दिया। इसके बावजूद फिल्म ने एक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 'टॉक्सिक' ने राम चरण की आगामी फिल्म 'पेद्दी' को पीछे छोड़ते हुए वर्ष 2026 में सबसे अधिक कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म का दर्जा हासिल कर लिया है।

फिल्म की कमाई में हालांकि अब लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। 'टॉक्सिक' ने प्रदर्शन के 24वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर करीब छह लाख रुपये का कारोबार किया। 23वें दिन फिल्म ने 14 लाख रुपये कमाए थे। इस तरह 24वें दिन इसकी कमाई में पिछले दिन की तुलना में करीब 57.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। फिल्म के अब तक के कारोबार पर नजर डालें तो 'टॉक्सिक' ने पहले सप्ताह में 234.05 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे सप्ताह में फिल्म का कारोबार



8.94 करोड़ रुपये रहा, जबकि तीसरे सप्ताह में इसने 1.41 करोड़ रुपये का कारोबार किया। 24वें दिन की छह लाख रुपये की कमाई के साथ फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस कारोबार बढ़कर 245.46 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

दुनियाभर में फिल्म के सकल कारोबार की बात करें तो 'टॉक्सिक' ने अब तक करीब 289.68 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस आंकड़े के साथ फिल्म ने 2026 में रिलीज हुई अन्य दक्षिण भारतीय फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

हालांकि, फिल्म की लागत को देखते हुए इसका प्रदर्शन कमजोर माना जा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक 'टॉक्सिक' का निर्माण करीब 500 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में किया गया है। ऐसे में घरेलू स्तर पर 245.46 करोड़ रुपये का कारोबार फिल्म की लागत के मुकाबले काफी कम है। नकारात्मक समीक्षाओं और दर्शकों की कमजोर प्रतिक्रिया के कारण फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। रिलीज से पहले 'टॉक्सिक' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह था और यश की लोकप्रियता के कारण फिल्म से बड़े कारोबार की उम्मीद की जा रही थी। मगर प्रदर्शन के बाद मिली मिश्रित से नकारात्मक प्रतिक्रिया और कमजोर दर्शक समर्थन का असर इसकी कमाई पर पड़ा। इसके बावजूद कुल कारोबार के मामले में फिल्म ने 2026 की दक्षिण भारतीय फिल्मों के बीच एक नया आंकड़ा जरूर कायम कर दिया है। फिल्म के मौजूदा आंकड़ों से साफ है कि कमाई के कुल आंकड़े में रिकॉर्ड बनाने के बावजूद बड़े बजट की तुलना में इसकी व्यावसायिक स्थिति चुनौतीपूर्ण रही है। आने वाले दिनों में फिल्म की अंतिम कमाई यह तय करेगी कि यह अपने निर्माताओं के लिए कितनी आर्थिक

पलक तिवारी के रॉयल एथनिक लुक ने मचाई सनसनी



बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने कमाल के स्टाइल स्टेटमेंट और फैशन सेंस से अक्सर फैस को अपना दीवाना बनाती रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है, और जब भी वह अपनी नई तस्वीरें पोस्ट करती हैं, तो वे देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं। हाल ही में पलक तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक बेहद शानदार और रॉयल फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस और एथनिक लुक इंटरनेट का तापमान बढ़ा रहा है।

तस्वीरों में पलक तिवारी ने ऑलिव ग्रीन और पेस्टल टोन का आउटफिट पहना हुआ है। इस ड्रेस का टॉप पार्ट यानी चोली एरिया बेहद खास है। चोली पर जटिल और बारीक मल्टीकलर रेशम की कढ़ाई, सीक्विन और मिरर वर्क किया गया है, जो इसमें एक हेरिटेज लुक जोड़ता है।

आउटफिट की स्कर्ट में ट्रेडिशनल बनारसी प्रिंट्स, जिग-जैग पैटर्न और गोटा पट्टी का बारीक काम देखा जा सकता है। ड्रेस की डीप यू-शेप नेकलाइन पलक के इस पारंपरिक पहनावे में बोल्ड और मॉडर्न टच जोड़ रही है। यह एथनिक और कंटेपरेरी फैशन का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन है।

लुक को कम्पलीट करने के लिए पलक ने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स में खुला रखा है। मिडिल पार्टेड हेयर स्टाइल के साथ बालों में हल्का रेडिश-ब्राउन हाईलाइट्स का टच उनके चेहरे के फीचर्स को बखूबी उभार रहा है। मेकअप की बात करें तो पलक का ग्लोइंग और न्यूड मेकअप लुक उन पर बेहद फब रहा है। सॉफ्ट स्मोकी आईज, डिफाईंड आइब्रो, फ्लॉलेस बेस, पिंक ब्लश और न्यूड ग्लॉसी लिपस्टिक उनके चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। तस्वीरों में पलक तिवारी का आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। कभी वह दीवार का सहारा लेकर रॉयल पोज दे रही हैं, तो कभी अपने हाथों को बालों पर रखकर कैमरे की ओर कातिलाना नजरों से देख रही हैं।

आलिया भट्ट की 'डोंट बी शाय' का धमाकेदार गाना 'झूमो' जारी

अभिनेत्री आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित फिल्म 'डोंट बी शाय' इन दिनों चर्चा में है। फिल्म का कुछ दिन पहले टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। अब निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना 'झूमो' जारी किया है, जो अपने जोशीले संगीत और पार्टी के माहौल के कारण दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। फिल्म में आरुषि बजाज, अंश दुग्गल, बियांका अरोड़ा और पीयूष खाती जैसे नए कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन श्रुति मुखर्जी ने किया है और इसकी पटकथा भी उन्होंने ही लिखी है। कहानी आज की पीढ़ी के चार युवाओं के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म के गाने 'झूमो' का निर्माण टी-सीरीज ने किया है। राम संपत ने गीत का संगीत तैयार किया है, जबकि इसके बोल उन्होंने देवांश वैद्य के साथ मिलकर लिखे हैं। गाने को साहेल और जोनिता गांधी ने अपनी आवाज दी है। तेज-तरंग संगीत और उत्साह से भरपूर अंदाज वाला यह गीत युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गाना जारी होने के बाद इसे यूट्यूब पर श्रोताओं की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के निर्माताओं को उम्मीद है कि यह गीत दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ाएगा। 'डोंट बी शाय' की कहानी आज की पीढ़ी के चार युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

जूती खरीदने से पहले आपको ध्यान में रखनी चाहिए ये बातें, सही चयन में मिलेगी मदद



लेने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सही माप वाली जूती खरीदें

जूती बेली जैसी सैंडल होती हैं, जिनकी फिटिंग सही होना बेहद जरूरी होता है। अगर आप अपने माप से छोटी जूती खरीद लेंगी तो आपको चलने में कठिनाई होगी और चोट लगने का खतरा रहेगा। इसीलिए खरीदने से पहले अपने पैर का सही माप जान लें, ताकि आप उसी माप की जूती देख सकें। इसके बाद दुकान में कई जूतियां पहनकर देख लें, ताकि आप सबसे सही फिटिंग वाली जूती का चुनाव कर सकें।

सामग्री पर ध्यान दें सही फिटिंग के अलावा जूती की सामग्री पर ध्यान देना भी बेहद अहम होता है। ऐसी सामग्री वाली जूती

जब आप जूती की फिटिंग और डिजाइन से संतुष्ट हो जाएं तो उसे पहनकर देख लें। जूती को पैरों में डालें और कुछ देर चलकर देख लें। इससे आपको पता लग जाएगा कि वह आरामदायक है या नहीं। साथ ही इससे यह बात भी साफ हो जाएगी कि जूती की सजावट पैरों में चुभती है या नहीं। बेहतर आराम के लिए गद्देदार इनसोल वाली जूती चुनें, ताकि अगर उसे देर तक भी पहनना हो तो चलने में परेशानी न हो।

कपड़ों से मेल खाता हुआ डिजाइन चुनें

जूती का डिजाइन चुनना थोड़ा मुश्किल काम हो सकता है, क्योंकि उसमें विविधता बहुत होती है। हालांकि, सही चयन करने के लिए आपको खरीदारी करते समय अपनी पोषक साथ लेकर जानी चाहिए। कपड़े के रंग और डिजाइन से मेल खाती हुई जूती खरीदना बढ़िया निर्णय होगा। कपड़े के समान रंग वाली जूती चुनें या कंट्रास्ट बैठाने की कोशिश करें। इसके अलावा आप शीशे के काम और कढ़ाई वाली जूती भी खरीद सकती हैं।

फिनिशिंग पर भी गौर करें

कुशल कारीगर अपने हाथों से जूतियां तैयार करते हैं और उन्हें सजाते हैं। वे जूती का सोल बनाने से लेकर उसे सजाने तक, सभी स्टेप खुद करते हैं। बेचने से पहले जूती की फिनिशिंग की जाती है, ताकि उसमें कोई कमी न रह जाए। खरीदारी से पहले इसी फिनिशिंग पर गौर करना जरूरी होता है। ध्यान दें कि कढ़ाई ठीक से की गई हो, कोई धागे न निकले हों, फैब्रिक सही तरह से चिपका हो और कोई क्षति न हो।

खरीदना सही रहता है, जो टिकाऊ हो और असुविधा का कारण न बने। मुलायम चमड़े जैसी उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री से बनी जूती का चुनाव करें, ताकि वह लंबे समय तक पहनी जा सके। इसके अलावा उसकी सजावट पर भी ध्यान जरूर दें। बनारसी सिल्क और मलमल जैसे कपड़ों से सजी जूती आरामदायक होगी और सुंदर लुक देगी।

पहले पहनकर जरूर देखें

जूती पंजाब का पारंपरिक फुट वियर है, जिसे पारंपरिक परिधानों के साथ पहना जाता है। महिलाएं इस सैंडल को पटियाला सूट, कुर्ती, साड़ी और सूट के साथ स्टाइल करना पसंद करती हैं। यह फुट वियर आरामदायक होता है, क्योंकि इसमें हील नहीं होती है। साथ ही इसे गोटा और मोती आदि लगाकर सजाया जाता है और यह कई डिजाइन में उपलब्ध रहती है। आज के फैशन टिप्स में जानिए आपको जूती

शरीर के इन हिस्सों पर कभी न लगाएं परफ्यूम! जानें, कहां लगाना है सुरक्षित

परफ्यूम लगाना ज्यादातर लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा होता है। क्योंकि यह आत्मविश्वास, मूड और पर्सनल ब्रांडिंग को बेहतर बनाने में मदद करता है। कई लोग इसका रोजाना इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ लोग किसी खास कार्यक्रम या आफिस जाने से पहले फ्रेश महसूस करने के लिए परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि परफ्यूम का इस्तेमाल शरीर के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है? जी हां, शरीर के कुछ हिस्सों पर परफ्यूम



लगाना खतरनाक होता है। खबर में जानिए किन अंगों पर परफ्यूम नहीं लगाना चाहिए... शरीर के कुछ हिस्सों पर परफ्यूम लगाने से त्वचा, स्वास्थ्य और सुंदरता पर बुरा असर पड़ता है। खुशबू का भी इन हिस्सों पर गंभीर असर पड़ता है, जैसे कि...

चेहरा

कई लोग गलती से परफ्यूम को अपने मुंह या गले के पास स्प्रे कर देते हैं, जिससे परफ्यूम सीधे हवा में फैल जाता है। खुशबू में मौजूद अल्कोहल या अन्य रसायन मुंह की त्वचा में एलर्जी, रैशेज या जलन पैदा कर सकते हैं और त्वचा के काले और रूखे भी हो सकते हैं।

अंडरआर्म

अंडरआर्म में आमतौर पर ज्यादा पसीना आता है, इसलिए कई लोग इस जगह पर थोड़ा ज्यादा परफ्यूम लगाते हैं। हालांकि, परफ्यूम में मौजूद केमिकल पसीने और त्वचा के साथ मिलकर एलर्जी या जलन पैदा कर सकते हैं। इसलिए जरूरत पड़ने पर आप इस हिस्से में अल्कोहल-मुक्त डिओडोरेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कटा या जला हुआ भाग

अगर आपके शरीर पर कहीं भी कट, जलन या त्वचा संक्रमण है, तो उस जगह पर परफ्यूम न लगाएं। परफ्यूम में मौजूद रसायन उस जगह को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे दर्द, सूजन और त्वचा को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आंखें

कुछ लोग गर्दन के पास या कानों के पीछे परफ्यूम लगाते हैं। लेकिन वे भूल जाते हैं कि हवा या खुशबू के छींटे भी आंखों में जा सकते हैं। अगर परफ्यूम की कुछ बूंदें भी आंखों में चली जाएं, तो जलन, पानी आना या धुंधला दिखाई देने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह आदत आगे चलकर खतरनाक हो सकती है।

जननांग

कई लोग शरीर की दुर्गंध छिपाने के लिए अपने गुप्तांगों के पास परफ्यूम छिड़कते हैं। हालांकि, इससे न केवल त्वचा को नुकसान पहुंचता है, बल्कि संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। इन अंगों की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है। इसलिए, ऐसे अंगों पर केवल डाक्टर द्वारा सुझाए गए उत्पादों का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

परफ्यूम लगाने की सही जगह

अगर आप परफ्यूम को सही तरीके से लगाना चाहते हैं, तो इसे शरीर के स्पंदन बिंदु जैसे कलाई, कानों के पीछे, टखनों के सामने लगाएं। इन जगहों से शरीर की गर्मी निकलती है, जिससे खुशबू लंबे समय तक टिकती है और त्वचा को होने वाले नुकसान को कम करती है।

योग करते समय बेहतरीन दिखने के लिए आजमाएं ये स्टाइलिश हेयरस्टाइल

योग न केवल शरीर के लिए बल्कि मन के लिए भी फायदेमंद है। जब आप योग करते हैं तो आपके बालों का स्टाइल भी अहम होता है। सही हेयरस्टाइल न केवल आपको आरामदायक महसूस कराता है, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाता है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे हेयरस्टाइल्स के बारे में बताते हैं, जो योग करते समय आपके लुक को और भी ज्यादा खास बना सकते हैं और आपको स्टाइलिश दिखाएंगे।

क्लासिक हाई बन- क्लासिक हाई बन एक ऐसा हेयरस्टाइल है, जो आपके बालों को पूरी तरह से बांध देता है और आपको आरामदायक महसूस कराता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले अपने बालों को ऊपर की ओर खींचें और एक पोनीटेल बनाएं, फिर उसे गोल-गोल घुमाते हुए बन बनाएं और हेयरपिन से फिक्स कर लें। यह स्टाइल न केवल आपके बालों को व्यवस्थित रखता है, बल्कि आपको एक साफ-सुथरा लुक भी देता है।

ब्रेडेड पोनीटेल- ब्रेडेड पोनीटेल एक प्यारा और स्टाइलिश हेयरस्टाइल है, जो आपके बालों को सुरक्षित रखते हुए आपको एक खास लुक देता है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों को एक पोनीटेल बनाकर बांध लें, फिर उसमें छोटी-छोटी चोटी बनाकर बांध लें। यह स्टाइल आपके बालों को खुला नहीं छोड़ता, जिससे वे न उलझते हैं और न ही किसी तरह की परेशानी होती है। इसके अलावा यह आपके लुक को भी खास बनाता है।

लो ट्विस्टेड बन- लो ट्विस्टेड बन एक सरल लेकिन आकर्षक हेयरस्टाइल है, जो आपके बालों को नीचे की ओर मोड़कर बनाया जाता है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों को पीछे की ओर खींचकर नीचे की ओर मोड़ें, फिर इसे बांध लें। इसके बाद बालों को हल्का-सा मोड़ते हुए ऊपर की ओर घुमाकर बन बनाएं और हेयरपिन से फिक्स कर लें। यह स्टाइल आपके बालों को व्यवस्थित रखता है और आपको एक साफ-सुथरा लुक भी देता है।

हाफ-अप टॉप नॉट- हाफ-अप टॉप नॉट एक ऐसा हेयरस्टाइल है, जिसमें आपके बालों का आधा हिस्सा ऊपर की ओर बांधा जाता है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों का आधा हिस्सा लेकर उसे ऊपर की ओर बांध लें, फिर उसे हल्का-सा घुमाकर टॉप नॉट बना लें।

रोजाना एक खुबानी का सेवन करने से मिल सकते हैं ये फायदे



खुबानी एक ऐसा फल है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन्स, खनिज और एंटीआक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचा सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि रोजाना एक खुबानी खाने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं और इसे अपने रोजमर्रा के खाने में कैसे शामिल किया जा सकता है।

आंखों की रोशनी को रखती है बेहतर

खुबानी में विटामिन-ए और विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है, जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। ये विटामिन्स आंखों की रोशनी को बेहतर रखने में मदद करते हैं और उम्र बढ़ने पर होने वाली आंखों की समस्याओं से भी बचाव कर सकते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आपकी आंखों की सेहत बनी रहती है और आप साफ-साफ देख सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में है सहायक

खुबानी में मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम दिल के लिए बहुत जरूरी होते हैं। ये तत्व रक्तचाप को नियंत्रित रखते हैं और दिल की बीमारियों का खतरा कम करते हैं। इसके अलावा खुबानी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आप एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और अपने दिल को सुरक्षित रख सकते हैं।

पाचन क्रिया को सुधारने में है प्रभावी

खुबानी फाइबर का अच्छा स्रोत होती है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। फाइबर आंतों को साफ रखता है और उनके काम को बेहतर बनाता है। इसके अलावा खुबानी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स आंतों की सूजन को कम करते हैं और उन्हें स्वस्थ रखते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आप पाचन संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में है कारगर

खुबानी में मौजूद विटामिन-सी और अन्य पोषक तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। यह शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। खुबानी खाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है और आप स्वस्थ रहते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स शरीर की सफाई करते हैं और त्वचा को निखारते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आप बीमारियों से बच सकते हैं।

त्वचा की चमक को बढ़ाने में है मददगार

खुबानी में मौजूद विटामिन-ए और विटामिन-सी त्वचा की चमक को बढ़ाने में मदद करते हैं। यह त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और उसे मुलायम बनाते हैं। इसके अलावा खुबानी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स त्वचा की सफाई करते हैं और उसे निखारते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आप स्वस्थ रहते हैं और आपकी त्वचा भी खिली-खिली रहती है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत एस.एम.एस.डी. इंटर कॉलेज, कनखल में निबंध, भाषण, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता

-25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' विषय पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए रचनात्मक विचार एवं उत्कृष्ट चित्र

-कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी और बड़े सपने देखने का किया आह्वान



हरिद्वार, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' विषय पर आधारित उत्सव के तहत सोमवार को एस.एम.एस.डी. इंटर कॉलेज, कनखल में विद्यालय स्तरीय निबंध, भाषण, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक रहे। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचारों, रचनात्मकता और कला के माध्यम से विकसित एवं समृद्ध भारत की कल्पना को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने निबंध और भाषण प्रतियोगिता में विकसित भारत के अपने सपनों को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया, जबकि चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता में अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सपनों

को नई दिशा देना तथा उनमें देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और उत्साह का संचार करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मक सोच तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके दृष्टिकोण को जानने और प्रोत्साहित करने का अवसर मिला।

चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के 24 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को मुख्य अतिथि मदन कौशिक द्वारा सम्मानित किया गया। इसमें कुमारी संजना ने प्रथम, गुंजन ने द्वितीय तथा काजल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मंत्री मदन कौशिक ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही विद्यालय के राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले हॉकी खिलाड़ी रोहित कुमार को भी उनकी उत्कृष्ट खेल उपलब्धि के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट

प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी अन्य बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का भविष्य युवाओं और बच्चों के सपनों से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'आज के विद्यार्थी ही विकसित भारत के सशक्त निर्माता हैं। शिक्षा, संस्कार, नवाचार और रचनात्मक सोच के माध्यम से बच्चे अपने सपनों को साकार कर राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं।' विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों और विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कुमार चंद, खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार, विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनाक्षी शर्मा सहित विद्यालय का समस्त शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर स्टाफ उपस्थित रहा।

डीएम दीक्षित के निर्देश पर हरिद्वार रेलवे स्टेशन क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया

हरिद्वार, संवाददाता। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के क्रम में हरिद्वार रेलवे स्टेशन क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने तथा ऑटो, विक्रम एवं ई-रिक्शा के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में नगर मजिस्ट्रेट हरगिरि, सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) निखिल शर्मा, सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नेहा झा, क्षेत्राधिकारी (नगर) शिशुपाल सिंह नेगी तथा यातायात निरीक्षक संदीप नेगी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए यातायात संचालन, ऑटो, विक्रम एवं ई-रिक्शा के ठहराव, यात्रियों की पिक-अप एवं ड्रॉप व्यवस्था तथा भीड़भाड़ के समय उत्पन्न होने वाली समस्याओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश मार्ग पर अनावश्यक रूप से वाहनों के खड़े रहने से यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए होल्डिंग एरिया विकसित किए जाने की योजना पर विशेष चर्चा की गई। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत आवश्यकता के अनुरूप सीमित संख्या में ही ऑटो, विक्रम एवं ई-रिक्शा को स्टेशन के पिक-अप क्षेत्र में प्रवेश दिया जाएगा, जबकि शेष वाहनों को निर्धारित होल्डिंग एरिया में व्यवस्थित रूप से खड़ा किया जाएगा। इससे स्टेशन के सामने वाहनों की अनावश्यक भीड़ कम होगी और यात्रियों को सुगम एवं सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। स्थलीय निरीक्षण के उपरान्त निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित व्यवस्था को व्यावहारिक और प्रभावी बनाने के लिए 29 सितंबर को ऑटो-विक्रम यूनियन तथा ई-रिक्शा यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में यूनियनों के सुझाव प्राप्त कर होल्डिंग एरिया, पिक-अप/ड्रॉप व्यवस्था और वाहनों के सुव्यवस्थित संचालन संबंधी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। जिला प्रशासन, पुलिस एवं परिवहन विभाग आपसी समन्वय के साथ ऐसी व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, जिससे हरिद्वार रेलवे स्टेशन क्षेत्र में यातायात का निर्बाध संचालन सुनिश्चित हो, यात्रियों को बेहतर सुविधा मिले तथा ऑटो, विक्रम एवं ई-रिक्शा का संचालन भी व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से किया जा सके।



महिला महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव संपन्न, प्रेरणा शर्मा बनीं अध्यक्ष

हरिद्वार। महिला महाविद्यालय पीजी कॉलेज कनखल में छात्रसंघ चुनाव में रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। अध्यक्ष पद पर मुकाबला महज एक वोट के अंतर से तय हुआ। एमए पॉलिटेक्निक साइंस की छात्रा प्रेरणा शर्मा ने 55 मत हासिल कर अनुजिता को 54 मतों पर रोकते हुए अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। परिणाम घोषित होते ही समर्थक छात्राओं में उत्साह का माहौल रहा। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. अल्पना शर्मा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कॉलेज में कुल 251 छात्राएं मतदाता थीं। इनमें से 109 छात्राओं ने मतदान किया। मतदान प्रतिशत करीब 44 रहा, जबकि तीन मत नोटा के पक्ष में पड़े। उपाध्यक्ष पद पर कोमल ने 54 मत प्राप्त कर जिया को 53 मतों से पीछे छोड़ा। संयुक्त सचिव पद पर सलोनी को 58 मत मिले, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी प्रेरणा सिंह को 48 मत प्राप्त हुए। सचिव पद पर नेहा, कोषाध्यक्ष पद पर साक्षी और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर प्रिया सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुईं। सचिव पेरेंट गर्वनिंग बॉडी डॉ.

अशोक शास्त्री ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव छात्राओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था और जिम्मेदारियों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। नवनिर्वाचित पदाधिकारी छात्राओं की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए कॉलेज प्रशासन के साथ समन्वय से काम करें। उन्होंने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। डायरेक्टर डॉ. अल्पना शर्मा ने कहा कि छात्रसंघ पदाधिकारियों की जिम्मेदारी केवल पद संभालने तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्राओं के हितों के लिए सक्रियता से काम करना भी उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. शैलजा और मोनिका शर्मा ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। मुख्य पर्यवेक्षक डॉ. राखी सिंह और डॉ. यास्मीन अमीर की देखरेख में मतदान से लेकर मतगणना तक की पूरी प्रक्रिया संपन्न हुई।

कुंभ की तैयारियों में समयबद्धता और गुणवत्ता पर मेला प्रशासन की कड़ी नजर

हरिद्वार। कुंभ मेला-2027 के



दृष्टिगत कुंभ क्षेत्र में संचालित विभिन्न कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा कराने के लिए मेला प्रशासन ने कार्यों की निरंतर निगरानी और नियमित समीक्षा की व्यवस्था को और तेज कर दिया है। इसके तहत कुंभ क्षेत्र में कार्यों की निगरानी के लिए नियुक्त अधिकारियों की टीम द्वारा सघन स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा तथा निरीक्षण में सामने आने वाले तथ्यों और कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता संबंधी रिपोर्ट तत्काल मेला नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराई जाएगी।

मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने सोमवार को मेला नियंत्रण भवन में कुंभ मेला के कार्यों की निगरानी के लिए नियुक्त अधिकारियों की बैठक लेकर कुंभ से जुड़े कार्यों के स्थलीय निरीक्षणों का ब्यौरा लिया। उन्होंने मेले से जुड़े विभिन्न कार्यों एवं व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता पर विभिन्न स्तरों से निरंतर निगरानी एवं स्थलीय निरीक्षण की कार्रवाई को और तेज किया जाए। उन्होंने कुंभ क्षेत्र में कार्यस्थलों पर स्थापित सीसीटीवी

कैमरों के माध्यम से निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा सभी साइटों पर सीसीटीवी कैमरों को निरंतर चालू दशा में रखने के निर्देश दिए।

मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेले के लिए स्वीकृत सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाने हैं। इसके लिए सभी कार्यदायी संस्थाएं पूरी क्षमता के साथ कार्य करें तथा बड़ी योजनाओं में आवश्यकतानुसार दिन-रात कार्य कर उन्हें तय समय के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों में समयबद्धता के साथ गुणवत्ता संबंधी निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों की थर्ड पार्टी गुणवत्ता जांच नियमित रूप से कराई जाए और जांच में किसी प्रकार की कमी सामने आने पर उसे तत्काल दूर कराया जाए। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर नियमानुसार तुरंत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो। मेलाधिकारी ने कुंभ मेला क्षेत्र में संचालित स्थायी एवं अस्थायी कार्यों की निगरानी के लिए नियुक्त हरिद्वार, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल एवं टिहरी गढ़वाल जिलों के जिला स्तरीय अधिकारियों एवं उप जिलाधिकारियों को नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्यों की प्रगति के साथ-साथ गुणवत्ता का भी परीक्षण करें और निरीक्षण की रिपोर्ट तत्काल मेला नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराएं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स, इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अवनीश कुमार, मो० 9410553400

ई-मेल: liveskgnews@gmail.com

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)

सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नहीं है।